

प्रेषक,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

समस्त मुख्य विकास अधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक: ^{जि.ओ. 259} /स्था0-2 / 2010

लखनऊ

दिनांक 6 सितम्बर, 2010

विषय: सामान्य भविष्य निधि के ऋणात्मक प्रकरणों की वसूली की कार्यवाही के सम्बन्ध में।

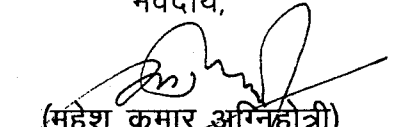
महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक इस कार्यालय के पत्र संख्या: 160 / सम्प्रेक्षा / ऋणात्मक-वसूली दिनांक 20-08-2010, का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

उक्त पत्र द्वारा समस्त जिला विकास अधिकारी / समस्त परियोजना निदेशकों को सामान्य भविष्य निधि के खातों से ऋणात्मक प्रकरणों के निस्तारण / आहरण की वसूली के संबंध में निर्देश दिये गये थे। वसूली की स्थिति में प्राप्त रसीद के साथ दिनांक 27-08-2010 तक सूचना भेजने की अपेक्षा की गयी थी, परन्तु कतिपय जनपदों के अतिरिक्त किसी जनपद से सूचना प्राप्त नहीं हुयी है। जिन जनपदों से सूचना प्राप्त भी हुयी है वह अधूरी है। यह स्थिति अत्यन्त खेदजनक है।

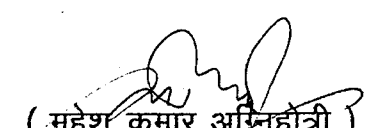
अतः प्रश्नगत प्रकरण के निस्तारण के संबंध में आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त वसूली से संबंधित सूचना पूर्ण रूपेण (रसीद सहित) दो दिन के अन्दर उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का कष्ट करें। समय से सूचना प्राप्त न होने अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होने पर संबन्धित अधिकारी / कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी।

भवदीय,


(महेश कुमार अग्निहोत्री)
अपर आयुक्त (लेखा),
ग्राम्य विकास, उ0प्र0।

पत्रांक: ^{जि.ओ. नं. 259} /स्था0-2 / 2010 तददिनांक।

1. प्रतिलिपि अनु सचिव, उ0प्र0 शासन, ग्राम्य विकास अनु0-1 को उनके पत्र संख्या: 3304 / 38-1-2010-3594 / 2010 दिनांक 27-08-2010 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।
2. समस्त संयुक्त / उप विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश।
3. समस्त जिला विकास अधिकारी / परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश को इस कार्यालय के पत्र संख्या: 160 / सम्प्रेक्षा / ऋणात्मक-वसूली दिनांक 20-08-2010 में दिये गये निर्देशों के क्रम में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(महेश कुमार अग्निहोत्री)
अपर आयुक्त (लेखा),
ग्राम्य विकास, उ0प्र0।